

## अङ्क — योजना (Marking Scheme) XII Class 2018

संस्कृतम्(ऐच्छिकम्) (Sanskrit Elective) Set 4 (Code 49) SGN

दिशा -निर्देश

- 1) कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अङ्क योजना में दिए गए उत्तर निर्देशनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएं।
- 2) अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अङ्क दिए जाएं। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अङ्क काटे जाएँ सम्पूर्ण नहीं।
- 3) त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अङ्क।
- 4) आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अङ्क विभाजन :

खण्ड: 'क' (Section -A ) (अपठित अवबोधनम्)

15 अङ्काः

- 1) (क) प्रथमः अनुच्छेदः —
  - (अ) एकपदेन उत्तरत | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क | (½ X2 = 1)
    - (i) सभ्यता:
    - (ii) मैसोपोटामियासभ्यता
  - (ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न | (2 अङ्क) | (2x1= 2)

नदीतटेषु प्राचीन सभ्यतानां विकासकारणमिदमस्ति यत् मानवीयवसतीनां स्थापनार्थं  
याः मौलिकाः आवश्यकताः भवन्ति तासाम् आपूर्तिः नदीतटेषु सुलभा आसीत्।
  - (स) यथानिर्देशम् उत्तरत – चार प्रश्न | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क | (½ x 4= 2)
    - (i) प्राचीन
    - (ii) ताः / सभ्यताः
    - (iii) नदी
    - (iv) आवश्यकताभ्यः |
- (ख) द्वितीयः अनुच्छेदः —
  - अ) एकपदेन उत्तरत | प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क | (1x2= 2)
    - (i) पञ्चतन्त्रे
    - (ii) वानरः |

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न | 2 अङ्क |

इयं कथा शिक्षयति यद् अविश्वस्ते विश्वासो नैव करणीयः ।

(1X2=2)

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत – चार प्रश्न | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क |

(1x4= 4)

(i) मकरः (ii) शिक्षाम् (iii) मकराय (iv) मधुराणि ।

(द) मकर – वानर- कथा इत्यादि कोई उपयुक्त शीर्षक ।

(2)

खण्ड: 'ख' (Section – B (रचनात्मकं कार्यम् )

15 अङ्काः

2) कथालेखनम् – रिक्त स्थान | प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क |

(1x10=10)

- |                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| (i) वटवृक्षः         | (vi) तण्डुलकणान्   |
| (ii) खगाः            | (vii) प्रासारयत्   |
| (iii) उत्थाय         | (viii) प्रतीक्षाम् |
| (iv) प्रत्यावर्तन्ते | (ix) कपोतराजः      |
| (v) व्याधः           | (x) दृष्ट्वा       |

3) अनुच्छेदलेखनम् - गङ्गासागरमेलकम्

(1x5= 5)

छात्रों से प्रदत्तविषयाधारित सरल, संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अङ्क दिए जाएँ। मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, छात्र शब्द चुने अथवा नहीं – आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य--निर्माण कर सकते हैं। छात्र स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अङ्क दिए जाएँ। त्रुटियों के अङ्क काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5 अङ्क दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अङ्क है।

खण्ड: 'ग' ( SECTION – C) (पठितांश अवबोधनम् संस्कृतसाहित्यस्य परिचयः च ) 50 अङ्काः

4) (क) पद्यम् (अ) एकपदेन उत्तरत | प्रत्येक के लिए ½ अङ्क |

(1/2X 2= 1)

(i) क्षितीशम् (ii): वरतन्तोः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न के लिए 2 अङ्क |

(2)

राज्ञा यज्ञे स्वकीयं सर्वं कोषजातं निःशेषतां नीतम्।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत — 2 अङ्क |

(1x2= 2)

(i) अध्वरे (ii) गुरुः

- (ख) गद्यांश: (अ) एकपदेन उत्तरत----- दो प्रश्न | प्रत्येक के लिए  $\frac{1}{2}$  अङ्क | ( $\frac{1}{2} \times 2 = 1$ )  
 (i) श्रीनायार: (ii) अश्रुधारा |
- (ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न के लिए 2 अङ्क | (2)  
 श्रीनायार: कार्यालयलिपिकं दायित्वहस्तान्तरणपत्रं सज्जीकर्तुम् आदिशत् |
- (स) यथानिर्देशम् उत्तरत — 2 अङ्क | (1x2= 2)  
 (i) आर्द्रीकरोति |  
 (ii) अधुना
- (ग) नाट्यांश: (अ) एकपदेन उत्तरत----- दो प्रश्न | प्रत्येक के लिए  $\frac{1}{2}$  अङ्क | ( $\frac{1}{2} \times 2 = 1$ )  
 (i) श्रीराम: (ii) अश्वः
- (ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न के लिए 2 अङ्क | (2)  
 अयम् अश्वः सप्तलोकैकवीरस्य (दशकण्ठकुलद्विषः ) श्रीरामस्य अस्ति |
- (स) यथानिर्देशम् उत्तरत — 2 अङ्क | (1x2= 2)  
 (i) दशकण्ठः  
 (ii) विजयिनाम्
- 5) शब्दार्थ – सम्बन्धी इस प्रश्न में छात्र केवल क्रमसंख्या भी लिख सकते हैं, अङ्क दिए जाएँ | वर्तनी आदि की दृष्टि से अङ्क अंशतः ही काटे जाएँ | प्रत्येक भाग के लिए  $1 \times 2$  अङ्क | ( $1/2 \times 4 = 2$ )  
 (अ) सूर्यः  
 (ब) सततम्  
 (स) आम्रम्  
 (द) अधुना
- 6) प्रश्न निर्माण सम्बन्धी — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं अतः अङ्क दिए जाएँ | वर्तनी आदि की दृष्टि से अङ्क अंशतः ही काटे जाएँ | प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क | (1x4= 4)  
 (i) कः (ii) काम् (iii) के (iv) केषाम् |
- 7) भाव – सम्बन्धी — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं | प्रत्येक के लिए  $\frac{1}{2}$  अङ्क | (1/2x12 = 6)  
 (अ) (i) वस्तुज्ञातम् (ii) व्यासम् (iii) संसारस्य  
 (iv) कस्यचिद् (v) धनम् (vi) भव |  
 (ब) (i) कमलशोभितम् (ii) सर्वत्र (iii) हंसस्य |  
 (iv) अन्यत्र (v) लभते (vi) रमते |
- 8) अन्वय - सम्बन्धी — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं | प्रत्येक भाग के लिए  $\frac{1}{2}$  अङ्क | ( $\frac{1}{2} \times 6 = 3$ )  
 (अ) (i) गुरुदक्षिणायै (ii) सः (iii) चिराय |

- (ब) (i) कुर्वाणः (ii) अपोहति (iii) किमपि ।
- 9) यथानिर्देशम् उत्तरत — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं। (1/2x4= 2)
- (अ) (i) चातकः (ii) अर्दति
- (ii) केयूराणि (ii) भूषयन्ति ।
- (ब) (i) विपुलम् (ii) गुणलुब्धाः । (1x2= 2)
- (स) (i) शिववीरस्य (ii) चन्द्रापीडम् । (1x2= 2)
- (द) (i) तमः (ii) चपलः । (1x2= 2)
- (य) (i) लवः – वटून् (1/2x4=2)
- (ii) शुकनास : चन्द्रापीडम्
- 10) लेखक व काव्य — दिए गए उत्तरों के अतिरिक्त भी अन्य उपयुक्त उत्तरों के लिए अङ्क दिए जाएं ।  
उत्तरों में वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अङ्क काटे जाएं न कि पूर्ण । प्रत्येक भाग के लिए (1) अङ्क ।
- (अ) (i) भवभूतेः नाटकत्रये कस्याप्येकस्य नाम । (1x5=5)
- (ii) किरातार्जुनीयम् ।
- (iii) शिवराजविजयः अथवा कोई अन्य ।
- (iv) छन्दोमञ्जरी ।
- (v) किसी एक रचना का नाम ।
- (ब) (i) बाणभट्टः (1x5=5)
- (ii) भर्तृहरिः
- (iii) जगन्नाथः
- (iv) भट्टमथुरानाथशास्त्री
- (v) वेदव्यासः

खण्डः 'घ' (SECTION – D) (छन्दोऽलङ्काराः )

20 अङ्काः

11) प्रश्नान् उत्तरत :

- (अ) (i) गुरुः (ii) यगणः (1x2= 2)
- (ब) (i) उक्ता वसन्ततिलका (ii) ययुतेयं । (1x4=4)
- (iii) जतौ तु (iv) मस्जस्तताः सगुरवः / सः सजौसततगा
- (स) शार्दूलविक्रीडितम् (ii) मालिनी । (2)
- 12) शब्दालङ्काराः — (1x2=2)
- (अ) (i) सत्यर्थे पृथगर्थायाः स्वरव्यञ्जनसंहतेः । क्रमेण तैनेवावृत्तिर्यमकं विनिगद्यते । उदाहरण इच्छानुसार । (3)

(ii) अनुप्रासः शब्दसाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत् ।

(ब) अर्थालङ्काराः —

(i) साधर्म्यमुपमा भेदे

(3)

(ii) सामान्यं वा विशेषेण विशेषस्तेन वा यदि ।

कार्यं च कारणेनेदं कार्येण च समर्थ्यते ।

साधर्म्येणेतरेणार्थान्तरन्यासोऽष्टधा स्मृतः ॥

अथवा

भवेदर्थान्तरन्यासोऽनुषक्तार्थान्तराभिधा ।

(उपयुक्त उदाहरण) ।

(स) अलङ्काराः —

(1x2= 2)

(i) उत्प्रेक्षा

(ii) उपमा ।

(द) परिभाषा —

(1x2= 2)

(i) प्रकृतस्य परात्मना

(ii) वैषम्येऽपि स्वरस्य यत् ।

-----X-----X-----